वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 360 | शनिवार 29 अप्रैल 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

सूडान में फंसे भारतीयों को लेकर दिल्ली पहुंची फ्लाइट में 24 राजस्थानी शामिल

पालम एयर फोर्स स्टेशन पर उतरा सी17 ग्लोबलमास्टर

जयपुर. कासं

सूडान में फंसे हुए भारतीयों के स्वदेश लौटने का सिलसिला शुक्रवार को भी जारी रहा। दोपहर बाद दिल्ली के पालम एयरफोर्स स्टेशन एयरपोर्ट पहुंची सी17 ग्लोबलमास्टर फ्लाइट से आए राजस्थान के 24 प्रवासी राजस्थानीयों को एयरपोर्ट स्थित राजस्थान हेल्प डेस्क पर रिसीव किया गया जहां राजस्थान के इन लोगों का मुख्य आवासीय आयुक्त एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह एवं राजस्थान फाउंडेशन के कमिश्नर और आवासीय आयुक्त धीरज श्रीवास्तव ने फूल मालाओं से स्वागत किया तथा उन्हें उनके घरों तक पहुंचाने की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की। शुभ्रा सिंह ने बताया कि पालम एयर फोर्स स्टेशन पर पहुंचे इन 24 प्रवासी राजस्थानीओ में बाड़मेर, भरतपुर, नागौर, अजमेर, उदयपुर, जोधपुर, हनुमानगढ़, जयपुर, टोंक और झुंझुनू के निवासी शामिल है। उन्होंने बताया कि इन लोगों को राज्य सरकार द्वारा अपने खर्चे से कारों के माध्यम से उनके गंतव्य तक पहुंचाने और खानपान की सारी व्यवस्थाएं की गई है। उन्होंने बताया कि एयरपोर्ट पर कार्यरत हमारी टीमों के द्वारा संबंधित जिलों के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर इन्हें सकुशल घर पहुंचाने का सारी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई है। धीरज श्रीवास्तव ने कहा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निर्देश पर दिल्ली और मुंबई एयरपोर्ट पर हेल्प डेस्क के साथ-साथ आने वाले प्रवासियों को घर तक पहुंचाने के लिए सभी संबंधित सुविधाओं का बेहतरीन इंतजाम किया गया है। उन्होंने बताया कि विदेश मंत्रालय और राजस्थानी फाउंडेशन के प्रयासों से हमें मिली सूचना के आधार पर करीब 65 के आसपास प्रवासी राजस्थानी सूडान में फंसे होने की सूचना मिली थी। इनमें से 62 प्रवासी राजस्थानीओ को राजस्थान सरकार के सहयोग से उनके परिवारजनों तक पहुंचाने की व्यवस्था कि जा चुकी है। आगे भी हमारी टीमें तैनात रहेंगी तथा जो भी राजस्थानी आएंगे उन्हें सकुशल घर पहुंचाया जाएगा। नई दिल्ली में राजस्थान सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी शिवराम मीना ने बताया कि दिल्ली के अलग-अलग हवाई अड्डों पर पहुंचने वाली फ्लाइटों में सूडान से आने वालों को सभी सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए उप आवासीय आयुक्त रिंकू और सहायक आवासीय आयुक्त मनोज सिंह के समन्वय में दो टीमों का गठन किया गया है, जो इन प्रवासी राजस्थानीओ को कार, ट्रेन और फ्लाइटों के माध्यम से उनके गंतव्य तक भेजने का काम देख रहे हैं।

जयपुर एयरपोर्ट पर समर कार्निवल 2023 का आगाज

समर थीम पर सजाया गया एयरपोर्ट परिसर, 70 दिनों तक चलेगा कार्निवल

जयपुर. कासं। जयपुर में गर्मियों की शुरूआत के साथ ही जयपुर एयरपोर्ट पर समर कार्निवल सीजन 2 की शुरूआत हो चुकी है। ऐसे में जयपुर एयरपोर्ट को समर थीम पर सजाया गया। 70 दिवसीय समर कार्निवल थीम बीट द हीट पर आधारित है। समर कार्निवाल में 29 प्रमुख ब्रांड यात्रियों के लिए अनोखे डिस्काउंट ऑफर्स व प्रमोशनल ऑफर्स के साथ

भाग ले रहे हैं। इनमें से 18 खुदरा स्टोर हैं और 11 प्रमुख एफएंडबी ब्रांड हैं, जो हवाई अड्डे पर 42 काउंटरों के माध्यम से संचालित होंगे। जयपुर हवाईअड्डे ने यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए एक नई पहल के स्वरुप में अलग-अलग जगहों पर समर कार्निवाल का विशेष क्यूआर कोड लगाए हैं । इस क्यूआर कोड को स्कैन करके यात्री एयरपोर्ट पर समर कार्निवाल के दौरान होने वाले रोमांचक ऑफर्स और गतिविधियों के बारे में पूरी जानकारी हासिल कर सकते है। यात्रियों को आकर्षित करने के लिए हवाईअड्डे पर समर कार्निवल सेल्फी पॉइंट भी स्थापित किए गए हैं।

स्वस्तिक ग्रुप के अध्यक्ष सतीश बाकलीवाल ने 70वां जन्मदिन मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप स्वस्तिक के अध्यक्ष सतीश बाकलीवाल ने गुरुवार अपनी 70 वा जन्मदिन भव्य रूप से मनाई। ग्रुप सचिव अजीत बड़जात्या ने बताया कि ई पी स्थित ब्लू पुलोटो रेस्टोरेंट में प्रातः 9.30 बजे से भव्य पार्टी का आयोजन किया गया। इस मे अध्यक्ष सतीश - मधु बाकलीवाल, अजीत - शकुन जैन, अशोक - रश्मि जैन,मनोज - ममता जैन, पवन - रेखा ठोलीया, मनीष - स्मिता जैन, प्रदीप - संगीता जैन सहित लगभग 90 सदस्य उपास्थित होकर खूब मनोरंजन के साथ- साथ आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संस्था, मानसरोवर, जयपुर के चुनाव संपन्न

राजेन्द्र राजा निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए

जयपुर। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संस्था, मानसरोवर, जयपुर की नवनिर्वाचित सदस्यो की महावीर भवन मे आयोजित हुई मीटिंग मे सभी की सहमती से कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें

राजेन्द्र कुमार जैन 'राजा' को सर्वसम्मति से अध्यक्ष तथा धर्मचंद जैन पाटोली- उपाध्यक्ष, प्रकाश चंद लोढ़ा - मंत्री, लालचंद लोढ़ा - सहमंत्री, राजेन्द्र प्रसाद जैन- कोषाध्यक्ष, संजय कुमार जैन, जरखोदा- प्रचार प्रसार मंत्री, विनोद कुमार जैन, गाडोली- संगठन मंत्री, महेन्द्र सिंह पीपाड़ा - सदस्य, नरेन्द्र कुमार जैन,CKB- सदस्य , ज्ञानचन्द दुनीवाल-सदस्य, राजेन्द्र कुमार तातेड़- सदस्य और विशिष्ट आमँत्रित सदस्य के रुप मेंभंवरलाल कुमट , रामसिंह सिंघवी, डॉ पारसमल जैन, रमेशचंद जैन, मुकेश चंद जारोली, भागचंद नाहर, अभिनंदन जैन ,आनंद कुमार पीपाड़ा, अनिल कुमार जैन AG, अमरचंद लोढ़ा को लिया गया।

संगिनी फारम जेएसजी मेट्रो की सदस्याओ ने पक्षियों के लिए बांधे परिण्डे

जयपुर. शाबाश इंडिया। मानव सेवा में अग्रणी संगिनी फारम जेएसजी मेट्रो की सदस्याओं द्वारा भीषण गर्मी को देखते हुए बेजुबान पक्षियों के लिए परिंडे बांधने का अभियान शुरू किया गया जिसके अंतर्गत दुर्गापुरा पार्क में परिंडे लगाए गए। सदस्याओं ने उनकी नियमित देखभाल और पानी भरने का संकल्प लिया। इस मौके पर राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा', संगिनी फारम जेएसजी मेट्रो की संस्थापक अध्यक्ष दीपिका जैन 'कोटखावदा', निवर्तमान अध्यक्ष मैना जैन ,सचिव रेखा पाटनी, वर्षा अजमेरा,लीनू अजमेरा,प्रीति गोधा, सुशीला जैन,पिंकी बाकलीवाल सहित बड़ी संख्या में सदस्याऐ शामिल हुई। इसके पहले भी फारम द्वारा राजस्थान राज्य महिला सदन कार्यालय, महल योजना के पार्क तथा प्रतापनगर में पक्षियों के लिए परिंडे लगाए गए थे ।

घट यात्रा से कल्पतरु महातीर्थ के अंतरराष्ट्रीय पंचकल्याणक की हुई शुरूआत

छत्र चढ़ाते हुए राजेश मुक्का जैन

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। परम पुज्य मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज अप्रमित सागर जी सहज सागर जी महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य में सुबह 7 30 बजे समर्थ सिटी जैन मंदिर से पुलक जन चेतना मंच के निर्देशन में पंचकल्याणक स्थल तक भव्य घटयात्रा जुलूस एवं श्री जी की शोभा यात्रा निकाली गई । जिसमें सैकड़ों की संख्या में नर नारी सम्मिलित हुए। घट यात्रा जुलूस मैं सम्मिलित बग्घियों में महोत्सव के पात्र विराजमान थे एवं एक रथ में श्री जी एवं सौधर्म इंद्र, कुबेर एवं महायज्ञ नायक विराजमान थे। महिलाएं मंगल कलश लेकर एवं मंगल गीत गाते हुए बैंड बाजों के साथ पैदल चल रही थीं। पुरुष वर्ग श्वेत वस्त्रों में जयकारा लगाते एवं भक्ति नृत्य करते हुए चल रहे थे।घट यात्रा के समारोह स्थल पहुंचने पर मंडप उद्घाटन श्री नरेंद्र शकुंतला वेद ने एवं ध्वजारोहण उद्योगपति श्री आर के जैन रानेका ने किया। आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी के चित्र का अनावरण एवं चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन पंच कल्याण कमेटी के सदस्यों ने किया। श्रीजी के अभिषेक एवं शांति धारा का परम सौभाग्य अमेरिका निवासी महेंद् आशा रानी पांड्या परिवार ने प्राप्त किया तत्पश्चात मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज के प्रवचन हुए। प्रारंभ में मुनि संघ के समक्ष नगर के वरिष्ठ समाज सेवियों बिमलचंद गांधी, पी सी जैन आरटीओ, विकास छाबड़ा, प्रदीप बड़जात्या कमल रावका, देवेन्द्र सेठी, कैलाश लुहाड़िया, अर्पित वाणी, राजेश जैन दद्दू, प्रवीण जैन, विनोद जैन,एवं पुलक मंच परिवार के सदस्यों ने श्रीफल समर्पण किए। दोपहर में याग मंडल विधान प्रतिष्ठाचार्य पंडित पवन दीवान एवं पंडित नितिन झांझरी के निर्देशन में संपन्न हुआ। श्रीजी की बेदी पर चांदी का छत्र चढ़ाने का सौभाग्य राजेश मुक्का जैन परिवार ने प्राप्त किया।

जेएसजी सिद्धा परिवार ने किया सेवार्थ कार्यक्रम में

जयपुर. शाबाश इंडिया

सिद्धा परिवार के संस्थापक अध्यक्ष धीरज जेएसजी सिद्धा परिवार ने किया सेवार्थ कार्यक्रम। JSG सिद्धा परिवार के संस्थापक अध्यक्ष धीरज कुमार सीमा पाटनी ने अपने मित्र प्रेम जी के साथ उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया। अप्रैल 2023 सांयकालीन मैं आंचल बालिका गृह में बच्चों को भोजन कराया गया बच्चों को भोजन कराने और उनके साथ बैठकर बात करने एवं समय व्यतीत करने में मन और आत्मा को बहुत खुशी मिलती है। 28 अप्रैल 2023 सांयकालीन मे आंचल बालिका गृह में बच्चों को भोजन कराया गया। बच्चों को भोजन कराने और उनके साथ बैठकर बात करने एवं समय व्यतीत करने में मन और आत्मा को बहुत खुशी मिलती है।

29 अप्रैल

श्री अजय जी-
श्रीमती टीना चौधरी

को 25वी वैवाहिक वर्षगांठ की

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

शुभेच्छु: राकेश-समता गोदिका

वेद ज्ञान

धर्म साधना का अंतिम अवसर

भोग की सुखद कल्पना, अरमानों की हारमाला, रंगीन स्वप्नों की सुहावनी तरंगों में डूबा मानव सोचता है, धर्माचरण का समय अभी नहीं है। पुष्परस का पान करते मधुप भी यही सोचता है अभी सुमन को मुरझाने में काफी देर है, बाद में उड़ जाऊंगा। मकरंद की मादकता में मस्त मधुप उस काल की प्रतीक्षा किया करता है, रसास्वादन किया करता है किन्तु उसे यह ध्यान नहीं रहता है कि कराल काल उसकी प्रतीक्षा करने वाला नहीं है। यदि हम अवसर चूक गये तो काल-कवलित होने के अतिरिक्त कोई चारा नहीं है अतः मानव को चाहिए कि समय शेष रहते मर्यादित भोगों से निवृत्त होकर धर्माचरण की ओर आगे बढ़े तो दिव्य जीवन के मधुपान का स्वर्णिम अवसर प्राप्त कर सकेगा जीवन के अलौकिक संगीत सुन सकेगा। अन्यथा अंतिम सांस तक आसक्ति में डूबा आगम, त्रिपिटक और गीता रूप त्रिवेणी का अमृत है कि आत्मा में अनंत शक्ति किंवा विराट शक्ति विद्यमान है। यदि वह पुरुषार्थ को प्रबल पुरुषार्थ के सामने संसार को झुकना पड़ता है। भारत का विचारधारा जन-जीवन में विराटता का प्राणवान-संदेश लेकर चलती रही है। शरीर में सूर्य का शुक्र जैसा उज्ज्वल नक्षत्र बनने के लिए आया था किन्तु अपनी घिनौनी करतूतों से साबित होने लगा है एक पुच्छल तारा, जो अपनी भाग में स्वयं तो भस्म होता है, दर्शकों के लिए भी अपशकुन बन जाता है। सर्प द्वारा काटे हुए (दंष्ट) अंग को तत्क्षण काट देने से अन्य अंगों में विष नहीं फैलता और प्राण रक्षा हो जाती है, ठीक उसी प्रकार पाप के विचारों को उत्पन्न होते ही तत्काल निकाल फेंकना आवश्यक होता है। यदि वे कुछ क्षण भी टिक गये, तो उनका जहर संपूर्ण शरीर में ध्याप्त हो जाएगा फिर निर्विष होना बहुत कठिन ही नहीं होगा अपितु जीवन को भी निःसंदेह खतरा उपस्थित हो जाएगा। इन्द्रिय सुख क्षणिक है उसका अंत कष्टमय है, जबकि अतीन्द्रिय सुख शाश्वत है। अतः मानव मनुष्य को इंद्रिय सुख के बदले अतीन्द्रिय सुख के लिए प्रयास करना चाहिए। चूंकि मानव शरीर विश्व की अनुपम कृति है और अतीन्द्रिय सुख की अनुपम प्राप्ति का एकमान साधन है। बन्धुओं, धर्म मानव जीवन का श्वांस है, प्राण है, श्रृंगार है। अतः मानव जीवन का सदुपयोग कर जीवन को उन्नत बनायें।

संपादकीय

बाघों की मौत की लगातार घटनाओं ने एक नई चिंता पैदा की...

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण ने अपने ताजा आंकडो में जो जानकारी दी है, उसके मुताबिक इस साल अब तक अलग-अलग वजहों से छप्पन बाघों की जान जा चुकी है। हाल ही में जब बाघों की संख्या में अच्छी-खासी बढ़ोतरी की खबर आई थी, तब इसे राहत की तरह देखा गया, क्योंकि इस संरक्षित पशु को बचाने के लिए पिछले कई दशक से व्यापक कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। लेकिन अब बाघों की मौत की लगातार घटनाओं ने एक नई चिंता पैदा कर दी है कि आखिर रखरखाव और संरक्षण के किन मोर्चों पर चल रही योजनाओं में सुधार की जरूरत है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण ने अपने ताजा आंकडो में जो जानकारी दी है, उसके मुताबिक इस साल अब तक अलग-अलग वजहों से छप्पन बाघों की जान जा चुकी है। अकेले अप्रैल में आठ बाघों की मौत हो गई। इनमें ज्यादा संख्या मादा बाघों की है। हालांकि बाघों के जीवन में आने वाले उतार-चढ़ाव पर नजर रखने वालों का मानना है कि आमतौर

पर जनवरी से लेकर मार्च महीने के बीच इस पशु की मौतों की ज्यादा संख्या दर्ज की जाती है। लेकिन जब करीब दो महीने पहले इस तरह की खबरें आई थीं तब यह सवाल उठाया गया था कि क्या इस संरक्षित पशु के जीवन को बचाने के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों को लेकर उत्साह में कमी आ रही है! बाघों को बचाने के लिए चलाई जा रही विशेष परियोजना और उसके तहत अक्सर जैसी सक्रियता देखी जाती रही है, उसमें यह उम्मीद स्वाभाविक है कि इस पशु को विलुप्ति के खतरे की जद से दूर रखा जा सकेगा। यही वजह है कि कुछ समय पहले बीते चार साल में बाघों की गिनती में दो सौ की बढ़ोतरी का आंकड़ा आया, तो इसे संरक्षण के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों की कामयाबी के तौर पर देखा गया लेकिन अगर इस आंकड़े के बरक्स बाघों के मरने की खबरें भी समांतर आ रही हों तो उसे कैसे देखा जाएगा? तादाद में बढ़ोतरी के मुकाबले अगर बाघों की मौतों को नहीं थामा जा सका तो संख्या में संतुलन का सुरक्षित अनुपात कैसे कायम किया जा सकेगा? निश्चित रूप से एक संरक्षित पशु के रूप में बाघों को बचाने के लिए बाकायदा संगठित रूप से अभियान चलाए गए, अभयारण्यों को सुरक्षित बनाने और इनके जीवन के लिए जरूरी आबोहवा उपलब्ध कराने को लेकर लिए व्यापक कार्यक्रम भी अमल में लाए गए। मगर यह समझना मुश्किल है कि बचाने की तमाम महत्त्वाकांक्षी योजनाओं के अमल में अक्सर सक्रियता दिखने के बावजूद बाघों के जीवन पर यह कैसा खतरा मंडरा रहा है! दरअसल, इंसानी आबादी के साथ-साथ रिहाइशी इलाकों के विस्तार के बीच जैसी चुनौतियां खड़ी हो रही हैं, उसमें एक गंभीर असर वन्यजीवों के सामान्य जीवन पर भी पड़ रहा है। कहीं जंगल में रहने वाले पशुओं के पर्यावास का क्षेत्र सिकुड़ रहे हैं तो कहीं मनुष्य और पशुओं के बीच टकराव की स्थितियां बन रही हैं। आए दिन ऐसी खबरें आती रहती हैं कि बाघ या इसी वर्ग के किसी पशु ने इंसान पर हमला कर दिया। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

सुरक्षा की चिंता...

केंद्र सरकार ने तीन हजार से ज्यादा भारतीयों को सूडान से सुरक्षित निकालने के लिए आकस्मिक योजनाओं की तैयारी के निर्देश दिए हैं। सूडान में जारी गृह युद्ध के बीच हालात जिस कदर बिगड़ते जा रहे हैं, उसमें उसके तुरंत खत्म होने के आसार फिलहाल नहीं नजर आ रहे। इसलिए स्वाभाविक ही सबकी चिंता यह है कि वहां की सेना और अर्धसैनिक बलों के बीच भीषण संघर्ष की चपेट में आम नागरिक न आएं और दूसरे देशों के नागरिक जिस भी रूप में रह रहे हैं, उन्हें वहां से सुरक्षित निकाला जाए। यों इस टकराव के हिंसक होने के साथ ही भारत ने सावधानी के तौर पर कई दिन पहले से ही अपने नागरिकों के बचाव और उन्हें वहां से सुरक्षित वापस लाने के लिए जरूरी पहल कर दी थी। मगर अब 'आपरेशन कावेरी' के तहत अपने जहाज और विमानों के जरिए वहां फंसे भारतीय नागरिकों को निकालने का अभियान शुरू कर दिया गया है। केंद्र सरकार ने तीन हजार से ज्यादा भारतीयों को सूडान से सुरक्षित निकालने के लिए आकस्मिक योजनाओं की तैयारी के निर्देश दिए हैं। इस बात की जरूरत तुरंत इसलिए भी थी कि सूडान में फिलहाल दोनों पक्षों के बीच टकराव जो शक्ल लेता जा रहा है, उसमें हालात के और बिगड़ने की ही आशंका जताई जा रही है। गौरतलब है कि सूडान में सेना और अर्धसैनिक बलों के बीच सत्ता पर कब्जे के लिए चल रहे संघर्ष में अभी तक चार सौ से ज्यादा लोगों के मारे जाने की खबर आ चुकी है और लगभग चार हजार लोग घायल हुए हैं। त्रासदी यह है कि इस हिंसा की सबसे बड़ी कीमत बच्चे और महिलाएं चुका रही हैं, जिनकी जिंदगी एक तरह से दांव पर है। खुद वहां की सरकार का कहना है कि कई जगहों पर स्वास्थ्य सुविधाओं ने काम करना बंद कर दिया है और बाकी के बंद होने का खतरा है। जाहिर है, अव्वल तो सीधे संघर्ष में जान गंवाने वाले आम लोगों के अलावा अगर कोई घायल हो गया तो उसके सामने भी खुद को जिंदा बचा पाने की चुनौती खड़ी हो गई है जबकि चारों ओर बंदूकों और बमों के सीधे हमले के बीच मारे जाने या घायल होने वालों से इतर इस त्रासदी के सदमे और अन्य शारीरिक प्रभावों की जद में आए लोगों के इलाज की सख्त जरूरत है। अगर यह लड़ाई लंबी खिंची तो ज्यादा चिंता इस बात की जताई जा रही है कि आम लोगों के पास भोजन और पानी का संकट खड़ा हो जाएगा और सीधे युद्ध के अलावा अन्य प्रभावों की वजह से भी बड़ी तादाद में लोगों की जान जा सकती है। ऐसे में भारत से वहां अलग-अलग वजहों से गए लोगों की स्थिति क्या हो सकती है, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। हालांकि इसके अलावा भी कच्चे तेल का आपूर्ति करने और इस तरह ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में सूडान से भारत के आर्थिक हित जुड़े हुए हैं, लेकिन भारत के लिए प्राथमिक चुनौती अपने नागरिकों को वहां से सुरक्षित निकालना है। दूसरे कई देशों के अलग-अलग हित भी बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं और लोग जोखिम में हैं। सवाल है कि एक देश में जारी गृह युद्ध के बीच आम और निर्दोष लोगों की बड़ी तादाद जिंदगी बचाने के जद्दोजहद से गुजर रही है तो ऐसे में वैश्विक समुदाय की क्या जिम्मेदारी बनती है!

शक्ति की अभिव्यक्ति

तपस्या का बल : श्री 108 ज्ञेय सागर जी महाराज

चंद्रेश जैन. शाबाश इंडिया।

श्री महावीरजी। स्थानीय दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी सृष्टि मंगलम में विराजमान समाधिरथ षष्ठपट्टाचार्य श्री 108 ज्ञानसागर जी महाराज के परम पूज्य शिष्य सप्तम पट्टाचार्य श्री 108 ज्ञेय सागर जी महाराज ने अपने मंगल प्रवचन में कहा कि पहले शक्ति को पहचानो फिर उसके बाद उसे पाने के लिए उसकी अभिव्यक्ति के लिए पुरुषार्थ करो, पहचान की बाद पुरुषार्थ होता है। शक्ति को जानने वाला ही अभिव्यक्ति कर पाता है, इस स्वर्ण पाषाण में सोना है, इसे जो जानता है वह उसे तपाता है, जलाता है, जिससे उसकी किट्ट कालीमां नष्ट होती है, उसके अंदर की विकृतियां समाप्त होती है तब उसके भीतर का शुद्ध स्वर्ण प्रकट होता है। संत कहते हैं, इस शक्ति को तुम पहचानो । तुम्हारे भीतर सोना है पर अभी तुम सोने के पाषाण की भाति हो। सोने के पाषाण से सोने की अभिव्यक्ति करना ही हमारे जीवन का मूल लक्ष्य और ध्येय है। सच्चे अर्थों में यही साधना है, यही आराधना है। उस अभिव्यक्ति का साधन है अभिव्यक्ति का साधन है तपस्या। जैसे स्वर्ण पाषाण को तपाने पर उसके भीतर का शुद्ध सोना निकलता है। वैसे ही तपस्या हमारी आत्मा को कुंदन बना देती है तपस्या से ही आत्मा परमात्मा बन जाती है शक्ति को पहचानो दूध में घी है, पर घी की अभिव्यक्ति कब होती है दूध की बूंद बूंद में घी समाहित है, लेकिन दूध में रहने वाले घी की अभिव्यक्ति तब होती है जब दूध को जमाया जाता है उसका मंथन किया जाता है नवनीत निकाला जाता है उसे तपाया जाता है तब कहीं जाकर दूध से घी निकलता है। त

ब्राह्मण समाज की अध्यक्ष ज्योति शर्मा

राजस्थान ब्राहमण महासभा हुए सम्पन चुनावों में ज्योति शर्मा की मेहनत, कार्यशैली को देखते हुए सर्वसम्मति से लगातार तीसरी बार निर्विरोध जयपुर महानगर अध्यक्ष (महिला प्रकोष्ठ) के पद पर नियुक्ति की गई।

सुरेन्द्र कुमार जैन पांडया फिर बने कार्यकारिणी सदस्य

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र बाड़ा पदमपुरा के कार्यकारिणी सदस्यों में 6 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर सुरेन्द्र जैन पांडया को दोबारा कार्यकारिणी में चुना गया। पांडया के अलावा भागचंद जैन,नेमीचंद जैन,हेमंत सौगानी व हरीश जैन को कार्यकारिणी सदस्य चुन लिया गया।

आज का कार्य कल के भरोसे ना छोड़े, कल कर लेंगे परसो देख लेंगे ही है सफलता में बाधा: आचार्य विवेक सागर जी

सीकर. शाबाश इंडिया

श्री पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का भव्य शुभारम्भ शनिवार से होने जा रहा है । एक पत्थर की मूरत से परमात्मा के स्वरूप तक के इस भव्य महोत्सव में पांच दिवस तक पंचकल्याणक से जुड़ी विभिन्न मांगलिक क्रियाएं आचार्य श्री के सानिध्य में सम्पन्न होगी। प्रचार मंत्री विवेक पाटोदी ने बताया कि प्रतिष्ठाचार्य पं. विमल जैन शास्त्री बनेठा वाले के निर्देशन में सभी मांगलिक क्रियाएं पूर्ण होगी। शुक्रवार को प्रातः श्री जी के अभिषेक व शांतिधारा के पश्चात आचार्य श्री के मंगल प्रवचन हुए। अपने मंगल प्रवचनों में आचार्य श्री ने समय के महत्व को बताया, उन्होंने बताया कि जीवन मे समय का महत्व जिसने समझ लिया उसने हमेशा सफलता पाई है। कल कर लेंगे परसो हो जाएगा के चक्कर मे कार्य नही करने वाला अंत मे पछताता ही है। मृत्यु का समय निश्चित है यह जिसने जान लिया उसने अपना हर कार्य समय पर ही किया है। समय अमूल्य धन भी होता है। समय की कीमत धन से बहुत अधिक होती है इसीलिए समय अमूल्य होता है। धन आज है कल नष्ट हो जाएगा परसों वापस आ जाएगा लेकिन एक बार समय अतीत की गर्त में समा जाता है तो वह चाहकर भी वापस नहीं आता है। मन्दिर कमेटी अध्यक्ष शंभु लुहाड़िया व उपमंत्री हितेश जयपुरिया ने बताया कि प्रवचनों के

पत्थर की मूरत से परमात्मा के स्वरूप तक के इस भव्य पँचकल्याणक महोत्सव में पांच दिवस तक होंगे विभिन्न मांगलिक क्रियाएं

पश्चात एक लघु नाट्य मंचन में तीर्थंकर के मोक्ष मार्ग पर प्रसस्त होने से पूर्व गृहस्थ जीवन के माता पिता से आज्ञा लेने व माता पिता के दुलार को दशार्या गया , जिसे प्रतिष्ठाचार्य पं. विमल जैन शास्त्री द्वारा अपने शब्दों में पिरोकर प्रस्तुत किया गया । दोपहर पंचकल्याणक हेतु सभी प्रतिमाएं को भव्य शोभायात्रा के साथ चंद्रलोक गार्डन के मुख्य पांडाल में लाया गया । इसके पश्चात महोत्सव से जुड़े सभी मुख्य पात्रों के हल्दी व मेहंदी का कार्यक्रम हुआ। स्वागताध्यक्ष पदम पिराका व संयोजक शशि दीवान ने बताया कि मंगल प्रवचनों से पूर्व बाहर से पधारे अतिथियों द्वारा आचार्य श्री के पाद प्रक्षालन व शास्त्र भेंट किया गया।

राहत कैंप में उपखंड अधिकारी धोद के कार्य की हर किसी ने की प्रशंसा

सुधीर शर्मा. शाबाश इंडिया।

सीकर। कुदन में राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे मंहगाई राहत कैम्प में लोगों ने समझा कि सिर्फ बिजली गैस सहित छोटे-मोटे कार्य ही होंगे लेकिन धोद उपखंड अधिकारी मिथलेश कुमार ने खुद मोर्चा संभालते हुए शिविर कैंप में हर व्यक्ति की समस्या सुनी तथा समस्याओ का समाधान भी करवाया शिविर में अतिरिक्त विकास अधिकारी भींवाराम बाजियां व डां प्रताप जी डां गरिमा जी डां अनिता जी कनिष्ठ अभियंता पंकज गढ़वाल प्रधानाचार्य भंवरलाल जी प्रधानाध्यापिका सम्पत जी आदि उपस्थित रहे। मंहगाई राहत कैम्प प्रशासन गाँवो के संग अभियान 2023 के तहत महंगाई राहत कैम्प में राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न जनकल्याण योजनाओं से संबंधित विभाग मौके पर रहकर जैसे राजस्व, पंचायती राज, सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग, विधुत विभाग , कृषि विभाग , उद्यान विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग जैसे विभागों के महत्व पूर्ण कार्य मौके पर ही प्रभारी अधिकारी के निदेर्शानुसार आमजन को राहत व राज्य सरकार कि अधिकतम जनकल्याण भावना को चरितार्थ करते हुये सहज शुलभ तरिके से विभाग के कार्य सम्पन्न किये गये । कैम्प में योजना में रजिस्ट्रेशन कराने के लिए लोगों में भारी उत्साह देखा गया उपखंड अधिकारी धोद मिथलेश कुमार ने बताया कि ब्लॉक में जहां भी कैम्प लग रहे हैं वहां जनता को ज्यादा से ज्यादा फायदा हो मेरा तो यही सोचना है।

नो वर्ष बाद हुआ भव्य मंगल मिलन

आचार्य नवीन नंदी गुरुदेव से मिले आचार्य नयन सागर जी मुनिराज

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्राचीन ऋषभदेव दिगंबर जैन मंदिर दहमीकला के इतिहास में प्रथमबार आचार्य श्री नवीन नंदी जी मुनिराज का आचार्य श्री नयन सागर मुनिराज का मंगल मिलन हुआ। मंत्री प्रमोद बकलीवाल एवं गौरव जैन नें बताया दिनांक 28 अप्रेल शुक्रवार को प्रातःकाल 7:30 बजे दोनों मुनिवर दहमी कलां मे मंगल मिलन हुआ। बाद मे श्री जी के अभिषेक, शांति धारा, मंगल प्रवचन हुए। महावीर पाटनी ने बताया आचार्य श्री संघ की आहार चर्या दहमी कलां संत भवन में हुई। सभी भक्त जन एवं ग्राम वासीयों ने पाद प्रक्षालन किया और जगह जगह आरती उतारी। इस भव्य मंगल मिलन के मनोज पाटनी, रविंद्र जैन लक्ष्मी टंकी, नवीन पाटनी, संजीव जैन, वैभव जैन, गौरव जैन, रमेश जैन ठालिया और बगरू निवासी उपसरपंच सीतारामजी, राम स्वरूप गोयल, नंदकिशोर गोयल,चेतन शर्मा, सुरेश बागडा, कन्हैया शर्मा, नारायण बागडा, अशोक शर्मा, वैभव जैन, यश जैन गौरीशंकर शर्मा, एवं ग्राम वासी साक्षी बने।

जैनाचार्य वसुनंदी महाराज ने कहा...

केवली भगवान जम्बूस्वामी की तपोभूमि बोलखेड़ा मोक्ष पथ के अनुगामी वैरागी संतो की साधना का सबसे श्रेष्ठ स्थल है

बोलखेड़ा. शाबाश इंडिया। बाहरी प्रदूषण से मुक्त यह तपो भूमि आन्तरिक प्रदूषण को मुक्त करने में सहायक है। अरावली की सुरम्य पर्वत श्रृंखला के मध्य प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण, शांत व मनोग्य वातावरण से आच्छादित, अनेकों दिव्य शक्तियों को स्वयं में समेटे हुए जैन धर्म के अंतिम अनुबद्ध केवली भगवान जम्बूस्वामी की तपोभूमि बोलखेड़ा मोक्ष पथ के अनुगामी वैरागी संतो की साधना का सबसे श्रेष्ठ स्थल है। उक्त प्रवचन जम्बूस्वामी तपोस्थली पर विराजमान जैनाचार्य वसुनंदी महाराज ने प्रातःकालीन सभा मे जैन श्रावकों से व्यक्त किये।

णमोकार मंत्र एवं भक्तामर स्तोत्र पाठ का आयोजन हुआ 48 दीपकों के साथ

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन महासमिति मानसरोवर संभाग के तत्वावधान में श्रीमती ललिता जैन एवं महावीर जैन बाकलीवाल महामंत्री दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल के सौजन्य से णमोकार मंत्र एवं भक्तामर स्तोत्र पाठ का आयोजन वरुण पथ मानसरोवर के दिगम्बर जैन मंदिर में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मानसरोवर संभाग के अध्यक्ष राजेन्द्र जैन साह ने बताया कि राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष नवीन सेन राजस्थान अंचल के पूर्व अध्यक्ष उत्तम कुमार पांडया, अतिथि के रूप में महावीर जैन बाकलीवाल महामंत्री, डा णमोकार जैन कार्य ध्यक्ष रमेश सोगानी कोषाध्यक्ष, दक्षिण संभाग

के अध्यक्ष मुकुल कटारिया, डी के जैन, राजेन्द्र जैन साह, डा आभार जैन आर ए एस, मंदिर समिति के अध्यक्ष एम पी जैन,जे के जैन, सुनील गंगवाल, भजन लाल शर्मा महामंत्री भारतीय जनता पार्टी, ज्ञान खेड़ली, मंत्री महावीर चांदवाड, पवन गोदीका अध्यक्ष मुहाना मंडी जैन मंदिर, मालवीय नगर संभाग के अध्यक्ष अजीत जैन,निर्मल जैन साह, श्रीमती निर्मला जैन बाकलीवाल, श्रीमती कुसुम जैन, श्रीमती चांद काला, श्रीमती आशा साह एडवोकेट बी सी जैन के अलावा सैकड़ों की संख्या में महानुभाव उपस्थित रहे। अध्यक्ष राजेंद्र साह ने बताया कि इस कार्यक्रम का संयोजन अजीत जैन, श्रीमती पिंकी कासलीवाल, श्रीमती मुन्नी जैन सोनी, श्रीमती ललिता जैन ने किया। भक्तामर स्तोत्र पाठ 48 दीपकों से बड़े ही शानदार ढंग से हुआ।

हमारे पूजनीय

श्री निर्मल कुमार गोदीका

पुत्र स्वर्गीय श्री भँवर लाल जी गोदीका का देहपरिवर्तन दिनांक 27.4.2023 को हो गया है। **तीये की बैठक** दिनांक 29.4.2023 को **प्रातः 8.30 बजे भट्टारक जी की नसिया** ,छतरीवाला संभाग में होगी। तत्पश्चात घडियों का दस्तूर होगा।

पुष्पा (धर्मपत्नी) श्रवण, महावीर, सत्येन्द्र, प्रदीप (भ्राता)
नीरज-शोभना (पुत्र-पुत्रवधू), कार्तिक (पौत्र), सुनील-सुनीता, धर्मेंद्र-मीना
राजेश-सुमन, टीकम-सिम्मी, शैलेश-अर्चना, अनुज-सपना
चंद्रेश-नीलिमा, केशव-सपना, प्रवीण-रितु, सोनल-एकता, नवीन,
विकास-नीतू, प्रसून-शानू, प्रतीक-सोनिका (भतीजे)
एवं समस्त गोदीका परिवार।
शान्ता देवी (बहन), नीलम-जितेंद्र, नीरा-राकेश (पुत्री-दामाद)
भव्य, अमन, चिरायु (दोहिते), आस्था-शिवम (दोहिती-जंवाई)
ससुराल पक्ष: प्रेमचंद, शरद-सरोज, प्रदीप-पिंकी गंगवाल (हैदरी)
प्रतिष्ठान - श्री अरिहन्त स्टोर्स (9314618318)

तीये की बैठक

अत्यन्त दुख के साथ सूचित किया जाता है कि मेरे लघु भ्राता श्री निर्मल कुमार जी गोदीका (पुत्र स्व. श्री भंवरलाल जी गोदीका) का देहपरिवर्तन दिनांक 27.04.2023 को हो गया है। तीय की बैठक दिनांक 29.04.2023 को प्रातः 8.30 बजे भट्टारकजी की नसिया, छतरीवाला संभाग में होगी। तत्पश्चात घडियों का दस्तूर होगा। शोकाकुलः– एस. के. गोदीका (रिटा. डिप्टी सेकेट्री, राजस्थान सरकार), सी–29, लाल कोठी स्कीम, जयपुर। मोबाईलः 9414074488

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक–ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई–मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com